Time : 3 Hours Date :

राजस्थान : इतिहास, संस्कृति
सामान्य विज्ञान 15/10/2023

RAS Mains: 2023

Name : ..... Batch No. 1 ..... Medium ..... हिन्दी

Enroll No. ..... Room No. ..... Serial No. : ..... सि/हि - 1/23

IMPORTANT NOTES
महत्वपूर्ण निर्देश

1. The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words, failing this, marks will be deducted
   अभ्यर्थियों को अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए। इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जाएंगे।
2. Candidates are directed that they should not write (answer) outside the border line in every page. Answer written outside the border line will not be checked by the Examiner
   अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रत्येक पृष्ठ में बनाई गई बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को परीक्षक द्वारा जाँचा नहीं जायेगा।
3. Attempt answers either in **Hindi or English**, not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in **Hindi or English** specifically
   उत्तर **अंग्रेजी या हिन्दी** भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं। भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबंद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिन्दी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया है।

English → 13½
Hindi → [illegible]½

Comment/टिप्पणी

— लेखनी एवं लेखन शैली में सुधार की आवश्यकता

— 2 marks → Facts पर अधिक ध्यान दें

→ 5 marks → Knowledge के Point को महत्व के अनुरूप लिखें

10 marks → Diagram, Chart का भी प्रयोग कर सकते हैं क्योंकि अन्तर वाले में।

Max.Marks - 200

Part A	30
Part B	37½
Part C	32½
Total	100

Examiner Name.................. **Examiner Sign**

Good luck

PART - A

Note: *Attemt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each question carries 2 marks.*

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक है

* Q.1 अमरावती स्तूप का महत्व → स्थापत्य

[illegible] सातवाहन शासकों द्वारा दक्षिण भारत में स्तूप, संगमरमर निर्मित, बिना चबूतरे (आधार) पर निर्मित स्तूपों, धर्म के दक्षिण भारत में प्रसार की जानकारी (2) धार्मिक साहित्यिक शासक

1½

* Q.2 एम एस स्वामीनाथन प्रसिद्धि

हरित क्रान्ति के जनक; एम एस स्वामीनाथन, हाल में मृत्यु, गेहूं की उच्च उत्पादन क्षमता में विकसित गेहूं की प्रजाति का विकास, सहयोगी नारमन बोरलॉग, खाद्यान्न आत्मनिर्भरता

2

* स्पष्टता से लिखें

* Q.3 मेगुती का जैन मंदिर प्राप्त की

(1) लाड खाँ द्वारा मेगुती जैन मंदिर निर्माण चालुक्यों की उत्कृष्ट नक्काशी तक्षण कला, अनंत [illegible] मंदिर स्थापत्य कला, पट्टदकल – में स्थित अनेक मंदिरों के समूह में एक मंदिर — शैली · बेसर शैली

2

शब्दों का बेहतर सामंजस्य बनाया जा सकता है।

Page No. [2]

झारखण्ड	सरायकेला छऊ
उड़ीसा	मयूरभंज छऊ
पश्चिम बंगाल	पुरुलिया छऊ

Q.4 छऊ नृत्य (1/2)

झारखण्ड व छत्तीसगढ़ के जनजातियों द्वारा किया जाने वाला जनजातीय लोकनृत्य है।

* पूर्वी भारत की नृत्य परम्परा
* उड़ीसा, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल के आदिवासी
* संगीत और मुखौटे

Q.5 कादिरी सिलसिला

① अब्दुल्ला सत्तार द्वारा स्थापित सूफी वर्ग। ② प्रभाव – पश्चिमी प्रान्तों में सिलसिला ③ दाराशिकोह अनुयायी ④ सर्वधर्म समभाव ⑤ उदारवादी सिलसिला (1 1/2)

लोकप्रिय बनाया है — शाह ने [illegible]

Q.6 सित्तनवासल की चित्रकारी

① तमिलनाडु की कलाकारी चित्रकला
② ताड के पत्रों पर की जाती है।
③ हाल ही में GI टैग (जी आई) प्रदान किया गया है।

* शब्दों में स्पष्टता लायें
* प्रमुखतः जैनधर्म से सम्बन्धित
* सित्तनवासल की परम्परायें [illegible]
* पल्लव काल

Page No. [3]

* आदिनाथ, पार्श्वनाथ, महावीर स्वामी के चित्रों की संख्या अधिक है

दर्शन — अद्वैतवाद, बाह्य आडम्बर का खंडन करने वाला दर्शन
प्रतिपादन → आचार्य जैमिनी
भारतीय षड्दर्शन में प्रमुख दर्शन

* मीमांसा दर्शन

(1/2)

जड़ तत्व व चेतन तत्व में विजातीय भेद को स्वीकार किया - [आत्मा]
ज्ञान मीमांसा, तत्व मीमांसा

ताजमहल का पूर्वगामी
दोहरे गुम्बद का प्रयोग
चारबाग शैली में निर्मित भारत का पहला मकबरा

* हुमायूँ का मकबरा

(2)

(1) दिल्ली में स्थित (2) अकबर कालीन (3) हाजी बेगम द्वारा निर्मित (4) दोहरा गुम्बद (5) यूनेस्को विश्व विरासत स्थलों में शामिल

लाल बलुआ पत्थर से निर्मित

* गोपाल कृष्ण गोखले — संस्था

(1/2)

उदारवादी नेता; सर्वेन्ट्स आफ इंडिया सोसाइटी (1905) - ब्रिटिश सरकार के समक्ष मांगों को रखना एवं उदारवादी विचारधारा

~~[illegible]~~

Page No. [4]

* राजनीति का शुद्धिकरण कर उसे धर्म और नैतिकता से सम्बद्ध
* देशप्रेम में समर्पित व्यक्तियों का समूह तैयार करना

→ सशस्त्र और नि:शस्त्र के साथ नकली युद्ध
→ महिलायें भी भाग लेती हैं।

* दक्षिण भारत में प्रचलित प्राचीन मार्शल आर्ट
• उत्पत्ति - चौथी सदी में केरल

* Q.10 समाज सुधारक (1)

① [illegible]

② [illegible] की प्रसिद्ध

③ 'वेदों' इंडिया [illegible] प्राचीन वेदों को ही ढेर अपनाया किया गया।

→ वेद भाष्य, ऋग्वेद भाष्य आदि

* Q.11 स्वामी दयानन्द सरस्वती साहित्यिक योगदान (1/2)

① स्वामीजी ने सत्यार्थ प्रकाश की रचना ② हिन्दी, हिन्दू, हिन्दुस्तान अवधारणा हिन्दी भाषा को प्रोत्साहन
③ वैदिक यंत्रालय अजमेर स्थापना साहित्य को बढ़ावा

* Q.12 अलवार व नयनार (1)

आलवार (5-10वीं सदी)	नयनार (6-8वीं सदी)
विष्णु (वैष्णव) अनुयायी	शैव शिव के अनुयायी
संख्या - 63 (12)	संख्या - 12 (63)
आण्डाल महिला संत	

Page No. [5]

* थिरुमुरै पुस्तक

गलत facts ना लिखे

* 'दिव्य प्रबन्धम्' पुस्तक

सुत्तपिटक के पांच निकायों में से चौथा निकाय
16 जनपदों का उल्लेख

Q.13 अंगुत्तर निकाय विषय वस्तु

बौद्ध साहित्य अंगुत्तर निकाय में बौद्ध दर्शन की व्याख्या, धार्मिक विचारों की व्याख्या व मौर्य व गुप्त शासकों का अध्ययन प्राप्त होता है।

(1½)

Q.14 ईस्ट इंडिया एसोसियेशन

1866 में [illegible] दादा भाई नौरोजी द्वारा इंग्लैण्ड में गठित संस्था जो कि ब्रिटेन की संसद के समक्ष भारतीय मांगों को प्रस्तुत करती थी।

(1½)

Q.15 सरहदी गांधी

(1) खान अब्दुल गफ्फार खान (2) पश्चिमी पाकिस्तान में गांधीवादी विचारक (3) खुदाई खिदमतगार आन्दोलन का नेतृत्व किया, सविनय अवज्ञा आन्दोलन के समानान्तर आन्दोलन किया।

(2)

* स्पष्टता एवं संक्षिप्तता का ध्यान दें।

Page No. [6]

उद्देश्य → समाजसेवा, महिलाओं और निचली जाति के लोगों के बीच शिक्षा का प्रचार

* गलत fact लिखने से बचें

सत्यशोधक समाज

1873

(1) महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा 1867 में स्थापना

(2) उद्देश्य : उच्च जातियों द्वारा निम्न जातियों के प्रति अत्याचारों का विरोध करना।

1/2

* Q.17 मैडम भीकाजी कामा की स्वतंत्रता आन्दोलन में भूमिका – जर्मनी के स्टुटगार्ड शहर में भारतीय झंडा फहराया। स्वतंत्रता समर्थक विदेशी महिला, स्वशासन की प्रबल समर्थक

→ 1907 में पहली बार भारतीय झंडा फहराया

1/2

Q.18 ताम्रलिप्त जातीय सरकार

भारत छोड़ो आन्दोलन (1942) में समानान्तर गठित सरकार पूर्वी भारत में सर्वाधिक समय तक चलने वाली सरकार

1

* बंगाल के मिदनापुर में ताम्रलुक नामक

* सतीश सामंत के नेतृत्व

* सशस्त्र विद्युत वाहिनी भी बनाई

लाहौर षड्यंत्र में सह-अपराधी होने के कारण गिरफ्तार किया
→ 63 दिनों के उपवास रखने के उपरान्त जेल में मृत्यु

Q.19 जतिन दास का नाम प्रसिद्ध क्यों?

लाला जतिन दास (हाथ गरने के कारण), बंगाल के क्रांतिकारी चरमपंथ संगठन/ग्रुप लाहौर के षड्यंत्र जेल में अनशन के दौरान मृत्यु

½

Q.20 बाम्बे प्लान -

1. बाम्बे के प्रसिद्ध 8 पूंजीपतियों द्वारा आर्थिक नियोजन का प्रस्ताव (1944)
2. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देकर आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।

½

• औद्योगिक क्षेत्र के अन्य आर्थिक क्षेत्रों की पहल
• नियोजित अर्थव्यवस्था स्थापित करने

Q.21 गोथिक स्थापत्य

1. पुनर्जागरण [illegible] के उपरान्त स्थापत्य कला की नवीन शैली
2. रोमन शैली के स्थान पर गोथिक शैली
3. नोकदार मेहराब व उपर उठे हुए छज्जे प्रमुख विशेषता थी।

½

Page No. [8]

* मध्यकालीन यूरोपीय वास्तु की एक शैली है
also — विक्टोरिया शैली

उदा :- 1833 में बना मुम्बई टाउन हॉल

महत्वपूर्ण बिंदुओ को अधिक प्राथमिकताओ से लिखा जाना बेहतर होगा

*Q.22 ईसाई धर्म सुधार हेतु गठित ट्रेंट परिषद की भूमिका

(1) [illegible] जेसुइट ऑर्डर (संघ) [illegible]

(2) वैकल्पिक धर्म में सुधार करना।

(3) पादरियो की जीवन शैली में बदलाव करना।

(4) बाइबिल का रोमन अनुवाद मान्य।

½

Q.23 उपनिवेशवाद साम्राज्यवाद अन्तर

उपनिवेशवाद	साम्राज्यवाद
आर्थिक हितो से प्रेरित, व्यापार से मुनाफा कमाना।	आर्थिक, राजनीतिक सैन्य सर्वोच्चता को स्थापित करना।

½ — स्पष्ट परिणाम लिखने का ध्यान करे।

*Q.24 टेनिस कोर्ट की शपथ का महत्व

फ्रांस की राष्ट्रीय सभा के सदस्यो द्वारा (1789) में टेनिस कोर्ट में शपथ के द्वारा राजतंत्र को समाप्त करने, कुलीनता का अन्त करने की शपथ, क्रांति की शुरूआत का

½

Page No. [9]

Extra Point

*Q.22 प्रतिवादी धर्म सुधार एवं गठित ट्रेंट परिषद की भूमिका
(1) ट्रेंट परिषद स्थापना [illegible] (जेसुइट्स) द्वारा
(2) कैथोलिक धर्म में सुधार करना
(3) पादरियों की जीवन शैली में बदलाव करना, (4) बाइबिल का रोमन अनुवाद प्रामाणिक माना

Q.23 उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद अन्तर

उपनिवेशवाद	साम्राज्यवाद
आर्थिक हितों से प्रेरित, व्यापार से मुनाफा कमाना।	आर्थिक, राजनीतिक सैन्य सर्वोच्चता को स्थापित करना।

*Q.24 टेनिस कोर्ट की शपथ का महत्व
फ्रांस की राष्ट्रीय सभा के सदस्यों द्वारा (1789) में टेनिस कोर्ट में शपथ के द्वारा राजतंत्र को समाप्त करने, कुलीनता का अन्त करने की शपथ, क्रांति की शुरुआत -रचना का

Q.23 * विट्गेंस्टाइन मैन — पुनर्जागरण
* [illegible] के उपरान्त
एक साहित्यिक कृति

PART - B

Note: Answer the following questions in 50 words each. Each question carries 5 marks.
नोट: निम्न में से सभी प्रश्नों का उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक है

Q.1 गुप्तकालीन मंदिर उदा० व विशेषताएँ — स्थापत्य

③

गुप्तकाल में मंदिर निर्माण प्रारम्भ
विशेषताएँ – ① ऊँचा चबूतरा वर्गाकार
② प्रदक्षिणा पथ ③ गर्भगृह में
देवता मूर्ति की स्थापना ④ ऊँचे
शिखर ⑤ आमलक – शिखर पर
⑥ मंदिर निर्माण पत्थर व ईंटो को
जोड़कर * उदा० – भूमरा का शिव
मंदिर, नचना कुठार का पार्वती
मंदिर, कदरिया महादेव मंदिर, तिगवा
का विष्णु मंदिर
शैलियाँ – पंचायतन व नागर शैली

लेखन शैली में सुधार के प्रयास करें

Page No. [10]

Note:- स्पष्टता लिखे
– अच्छा प्रयास

→ अच्छा प्रयास
→ निरन्तर प्रयास जारी रखें

Q. हड़प्पा सभ्यता में विज्ञान का विकास

3½

हड़प्पा सभ्यता (2500-1900 ई.पू.) विज्ञान का उन्नत विकास दिखा। जैसे - (1) उन्नत जल निकासी की व्यवस्था (2) उन्नत नगर नियोजन, पकी हुई ईंटें (3) ज्यामितिक व अन्य गणितीय चिह्न (4) कालीबंगा खोपड़ी में छेद शल्य क्रिया की जानकारी (5) ड्रेस पैटर्न, जुते हुए खेत, चाक का प्रयोग, धातु का प्रयोग (तांबा, कांसा), हथियारों का निर्माण, (6) मुहरें, मुद्रा उन्नत विज्ञान का संकेत

Q. अजन्ता चित्रकला, एलोरा चित्रकला कहाँ है में व्याप्त अन्तर

2½

अजन्ता चित्रकला	एलोरा चित्रकला
(1) बौद्ध धर्म का प्रभाव अधिक	बौद्ध, जैन, वैष्णव धर्म का प्रभाव
(2) गुफाओं का निर्माण चैत्य व विहार (विहार)	गुफाओं की संख्या कम, गुफाओं में चित्रकारी
(3) मध्यप्रदेश में ?	महाराष्ट्र में ?
(4) आभूषण विशिष्ट	सामान्य
(5) कामुकता का प्रभाव अधिक	कामुकता का प्रभाव कम

↳ फ्रेस्को एवं टेम्परा विधि → राष्ट्रकूट शासक
→ सातवाहन, गुप्त, वाकाटक
चालुक्य
→ 8वीं सदी

Q.4 (4) खिलजी वंश स्थापत्य कला योगदान
अलाउद्दीन व जलालुद्दीन खिलजी शासक
ने - (1) अलाई दरवाजा - अलाउद्दीन
खिलजी के द्वारा (2) कुतुबमीनार की
मरम्मत कार्य (3) हौज़खास मकबरे
का निर्माण (4) हजार सितून का
निर्माण (5) सैन्य उपयोग हेतु मजबूत
किला व दुर्गों का निर्माण करवाया गया
(6) अलाउद्दीन के मकबरे का निर्माण, (7) सिरी
में अनेक इमारतों का निर्माण कार्य

(2) सल्तनत काल 1290-1320 सेना मे प्रयोग का

Q.5 मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन साहित्य
की प्रकृति
मध्यकालीन साहित्य की
प्रकृति (1) स्थानीय भाषाओं का प्रयोग
कबीर - सधुक्कड़ी, तुलसीदास - अवधी भाषा
(2) सरल व सुबोध भाषा का प्रयोग
संस्कृत की क्लिष्टता के स्थान पर
(3) कबीर - साखी, सबद, रमैनी, दादूदयाल
दोहों में उपदेश (4) तुलसीदास - विनय
पत्रिका, रामचरित मानस, दोहावली (5) हिन्दी
भाषा के विकास में योगदान (6) जनमानस को
भक्ति मार्ग (निर्गुण सगुण)
से जोड़ा।

(2) दक्षिण भारतीय प्रभावों को भी सम्मिलित कर लिखा जाना चाहिए

मुगल स्थापत्य का स्वर्णयुग

2½

अच्छा प्रयास

* शाहजहाँ स्थापत्य का स्वर्ण युग - उदाहरण

शाहजहाँ के काल स्थापत्य कला का स्वर्ण समय (1) आगरा ताज महल निर्माण केवल संगमरमर, पित्रादुरा, आधार ताज में कुरान आयतें चारबाग शैली (2) दिल्ली लाल किला लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग (3) दीवाने ए आम, दीवान ए खास का निर्माण कार्य (4) मयूर सिंहासन तख्ते ताऊस निर्माण बेनजीर रत्न (5) आगरा की जामा मस्जिद निर्माण उत्कृष्ट स्थापत्य कला के उदाहरण है।

* सूफीवाद मूल सिद्धान्त; वर्तमान में प्रासंगिकता

2½

सूफी शब्द ईरान के सफा शब्द से व्युत्पत्ति सफा यानि चबूतरा, ऊनी धागा आदि अर्थ है।

मूल सिद्धान्त - इस्लाम की उदारवादी व्याख्या, कट्टरता के स्थान पर सहिष्णुता सर्वधर्म समभाव, नृत्य, संगीत, समां योग को भी महत्व दिया।

प्रासंगिकता - वर्तमान में विश्व में धार्मिक कट्टरता से अनेक समस्याओं, हिंसक आन्दोलनों का समाधान सूफीवाद से संभव है

(2)

आर्थीय

Q.8 ब्रिटिश काल हस्तशिल्प उद्योगों का पतन कारण

औद्योगिक उपनिवेशवाद के कारण के अन्तर्गत (1) ब्रिटेन में निर्मित वस्तुओं का आयात एवं भारतीय वस्तुओं पर अनेक कर व बाधाओं के कारण (2) विदेशी मशीन निर्मित वस्तुएं जैसे कपड़ा सस्ती एवं भारतीय वस्तुएं श्रम साध्य एवं महँगी अतः हस्तशिल्प उद्योग का पतन एवं कृषि की ओर पलायन जहां पहले से ही हालात बदतर थे।

– संरक्षण की कमी
– कृषि का वाणिज्यकरण
– तकनीकी की आधारित वस्तुओं की उपलब्धता

Q.9 स्वदेशी आन्दोलन क्या था, स्वतंत्रता आंदोलन पर प्रभाव

बंग भंग के विरोध में 1905 में प्रारम्भ स्वदेशी आन्दोलन स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग एवं विदेशी वस्तुओं एवं सेवाओं का बहिष्कार करना था।

प्रभाव – (1) जनता में राष्ट्रीय चेतना का विस्तार (2) समस्त वर्गों की भागीदारी बढ़ी (महिलाएँ, मध्यम, निम्न वर्ग) मजदूर (3) प्रथम पंक्ति व द्वितीय पंक्ति के नेताओं का उदय (4) अग्रिम आन्दोलनों को आधार मिला।

2½

भारतीय स्वदेशी उद्योग की मांग को प्रोत्साहन
– होमरूल एवं असहयोग आंदोलनों को प्रेरणा

1½

Q. ब्रह्म समाज सामाजिक धार्मिक सुधार में शिक्षा की भूमिका।

राजा राममोहन राय ने 1828 में ब्रह्म समाज संस्था - सामाजिक सुधार - समाज में सती प्रथा, पर्दा प्रथा, बाल प्रथा बहुविवाह, सामाजिक कुरीतियों पर कड़ा प्रहार किया। धार्मिक सुधार - ईसाई धर्म की आलोचना, हिन्दू धर्म का पुनरुत्थान, धार्मिक आडम्बरों, कर्मकांडों का विरोध एवं ब्राह्मणवादी व्यवस्था का विरोध किया।

पुरोहितवाद आडम्बरों एवं मूर्ति के खिलाफ → तर्कवाद का उदय

Q.11 भारत से बाहर घटित क्रांतिकारी गतिविधियाँ

2½

स्वतंत्रता आन्दोलन का भारत से बाहर अमेरिका, इंग्लैण्ड में भी प्रभाव था - इंग्लैण्ड में श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा इंडिया होमरूल सोसाइटी, इंडिया हाउस का गठन, मदन लाल धींगरा, वी डी सावरकर राश बिहारी बोस आदि अमेरिका - लाला हरदयाल द्वारा गदर पार्टी की स्थापना जापान - कैप्टन मोहन सिंह आजाद हिन्द फौज गठन विचार जर्मनी - वीरेन्द्र काम)

श्रेष्ठ प्रयास

Page No. [13]

अफगानिस्तान - राजा महेंद्र द्वारा समानान्तर सरकारों की स्थापना

Q.12 रियासतों के एकीकरण में सरदार पटेल द्वारा अपनाई गई नीतियाँ

सरदार पटेल रियासत विभाग के अध्यक्ष सचिव वी पी मेनन

नीतियाँ (1) रियासतों के निजी रक्षा, संचार के मामलों केन्द्र के पास एवं अन्य मामलों में स्वायत्तता, अनेक रियासतों ने प्रस्ताव को स्वीकार किया।

(2) जम्मू कश्मीर - विलय पत्र के द्वारा

(3) हैदराबाद - आपरेशन पोलो (सैन्य कार्यवाही)

(4) जूनागढ़ - जनमत संग्रह द्वारा विलय

2½

Q.13 अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम भारत और विश्व पर पड़ने वाले प्रभाव

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम (1) अंग्रेजों की प्रतिष्ठा को आघात लगा (2) फ्रांस की क्रांति को आधार मिला (3) नागरिक अधिकारों व संविधानवाद का प्रारम्भ (4) लिखित संविधान, संघवाद प्रोत्साहन (5) वाणिज्यवाद का अन्त एवं स्मिथ वेल्थ आफ नेशन्स

[भारत पर प्रभाव] - भारत के प्रति शासन का रवैया बदला, शोषण बढ़ा क्योंकि "उपनिवेश उन फलों के समान है जो कि पकने पर टूट कर अलग हो जाते है"

2

Page No. [16]

→ निरंकुश राजा
– दोषपूर्ण व्यापारिकता आदि Points का जोड़ें

2½

Q.14 फ्रांस की क्रांति के लिए उत्तरदायी राजनीतिक परिस्थितियों को जानिए।

फ्रांस में व्याप्त ... राजनीतिक विभिन्न परिस्थितियां उत्तरदायी। (1) शासन की निरंकुशता - लुई 16वां नीति ठीक करने व जनता को शासन में शामिल (2) वित्तीय कठिनाइयां - जैसे नैकर आदि अयोग्य वित्त मंत्री (3) कुलीनतंत्र - कुलीनों को प्राप्त विशेषाधिकार, कर चुकाना न होना (4) चर्च का राजनीतिक प्रभाव एवं अधिक बहुमूल्यता एवं अकर्मण्यता, कृषकों का शोषण

Q.15 उपनिवेशवाद की प्रक्रिया के विविध चरण कौन - कौन से रहे हैं, स्पष्ट कीजिए।

2½ उत्तम लिखा है

औद्योगिक क्रान्ति के उपरान्त विकसित देशों के द्वारा कच्चा माल प्राप्ति एवं उत्पन्न माल विक्रय हेतु उपनिवेशवाद को प्रोत्साहन मिला।

(1) प्रथम चरण - व्यापार वाणिज्यवाद
(2) दूसरा चरण - औद्योगिक वाणिज्यवाद
(3) तीसरा चरण - वित्तीय वाणिज्यवाद
(4) चतुर्थ चरण - साम्राज्यवाद की ओर
बहुराष्ट्रीय कंपनियों का मुख्य व्यापार

– निरंतरता बनाये रखें
– लेखन शैली पर ध्यान दें

(2½) — जर्मनी की आक्रामक नीति, सम्बोधित नीति — जर्मनी की विदेश नीति — केवल जर्मनी कारक ही अन्य कारक भी जिम्मेदार

Q.16 प्रथम विश्वयुद्ध के लिए जर्मनी किस सीमा तक उत्तरदायी था? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिए?

(1) जर्मनी का एकीकरण बिस्मार्क के द्वारा विशेष राष्ट्रीयता का संचार एवं आस्ट्रिया प्रशा प्रभुत्व में कमी. (2) जर्मनी के द्वारा रूस, फ्रांस, ब्रिटेन से की गई गुप्त संधियां (3) यूरोप में शक्ति संतुलन की चाह, जर्मन सर्वोच्चता का भाव (4) जर्मनी का पोलैण्ड पर आक्रमण सराजेवो में आस्ट्रिया के राजकुमार की हत्या (तात्कालिक कारक)

PART - C

Note: Answer the following questions in 100 words each. The question carries 10 marks

नोट: निम्नलिखित सभी प्रश्नों का उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न का 10 अंक है।

Q. 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में राष्ट्रीय चेतना के विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक

19वीं सदी उत्तरार्द्ध अंग्रेजी शासन की दमनपूर्ण नीतियां एवं जनजागृति के कारण राष्ट्रीय चेतना का विकास हुआ

प्रमुख कारक — (1) लार्ड लिटन की दमनकारी नीतियां - प्रेस की स्वतंत्रता

(4½) Good
- अन्यथा उपयुक्त
- लेखन शैली पर ध्यान दें

को समाप्त करना, लगान बिना विचार आकाल के दौरान किसी प्रकार लगाना। (2) शिक्षा संस्थाओं की स्थापना शिक्षा का प्रचार प्रसार, जागरूकता वृद्धि (3) समाचार पत्रों का विकास - विभिन्न भाषाओं में समाचार पत्रों का प्रकाशन (4) संचार के साधनों का विकास - लोगों के मध्य सम्पर्कता में वृद्धि (5) प्रबुद्ध भारतीयों द्वारा गठित संस्थाएं - ईस्ट इंडिया एसोसियेशन, मद्रास महाजन सभा, बाम्बे एसोसियेशन, कांग्रेस आदि (6) धार्मिक सामाजिक आन्दोलन - राष्ट्रीयता में वृद्धि कारक (7) विभिन्न महामारियां - अकाल व महामारियों के समय सरकारी उपेक्षा (8) सैन्य एवं सरकारी सेवाओं में भेदभाव एव असमान अवसर, अतः निम्न कारकों ने भारत में राष्ट्रीय चेतना का विकास किया।

आधुनिक समय में व्याप्त साम्प्रदायिकता
Q. की समस्या ब्रिटिश काल में अपनाई गई नीतियों का ही परिणाम है समीक्षा करें।

अंग्रेजी शासन के दौरान मुस्लिमों एवं (साम्प्रदायिकता) के प्रति नीतियों में अंग्रेजों द्वारा समय समय पर बदलाव होते रहे।

(1) 1857 की क्रान्ति के उपरान्त उपेक्षा का रवैया बना रहा।
(2) 1905 बंग भंग, मुस्लिम तुष्टीकरण मुस्लिम लीग (1906 में स्थापना)
(3) 1909 मुस्लिमों को पृथक निर्वाचन निर्वाचन पद्धति (फूट डालो राज करो की नीति प्रारम्भ)
(4) 1916 हिन्दू मुस्लिम एकता प्रारम्भ शीघ्र ही समझौता विफल
(5) मो० इकबाल (1930) पृथक पाकिस्तान की माँग (6) जिन्ना 14 सूत्री माँगें (1929)
(7) कराची अधिवेशन पाकिस्तान की माँग
(8) स्थानीय चुनाव (मीरपुर पीरपुर रिपोर्ट (1937)
(9) 1947 माउंटबेटन 3 जून योजना भारत व पाक विभाजन * हालांकि इन सबके बावजूद हिन्दू संगठनों की आक्रामकता, कांग्रेस का अति आत्मविश्वास भी कुछ हद तक सीमित जिम्मेदार रहे।

अच्छा प्रयास

Page No. [20]

5

अच्छी लेखन शैली लेकिन लेखनी पर ध्यान दें

भक्ति आंदोलन का भारतीय समाज धर्म साहित्य पर विभिन्न प्रभाव

मध्यकालीन भारत में दक्षिण भारत से प्रारंभ भक्ति आन्दोलन को रामानन्द उत्तर भारत में लाए।

(1) समाज पर प्रभाव – (i) समतामूलक समाज, सहिष्णुता, हिन्दू मुस्लिम वैमनस्य में कमी आई (ii) स्त्री दशा में सुधार, समाज में उच्च निम्न वर्ग भेदभाव कमी

(2) धर्म पर प्रभाव – (i) धार्मिक आडम्बरों (ii) कर्मकाण्ड में कमी (iii) सगुण व निर्गुण विचारधाराओं का उदय (iv) धर्म में मोक्ष की अवधारणा में बदलाव

(3) साहित्य पर प्रभाव – (i) स्थानीय भाषाओं में साहित्य की रचना; कबीर सधुक्कड़ी भाषा, तुलसीदास – अवधी भाषा में साहित्य रचना (ii) संस्कृत के प्रभुत्व में कमी – जन सामान्य संस्कृत में असहज

भक्ति आन्दोलन ने व्यापक तौर पर समाज के सभी पक्षों को प्रभावित कर सामाजिक नवीन चेतना का संचार किया जो कि मुस्लिम आततायियों से तंग व त्रस्त थी।

निरन्तरता बनाये रखें

प्राचीन भारत में मंदिर स्थापत्यकला की विभिन्न शैलियों का तुलनात्मक विवरण

भारत में मंदिर निर्माण गुप्तकाल से प्रारम्भ हुआ और ये शैली विभिन्नता के आधार पर तीन भागों में

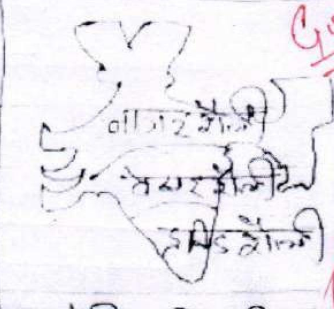

मंदिर निर्माण

① नागर शैली – उत्तरी भारत में, वर्गाकार चबूतरा, गर्भगृह, प्रदक्षिणा पथ, अलंकृत शिखर, गर्भगृह में देवता की मूर्ति, मंडप आदि उपशैलियाँ – गुर्जर प्रतिहार, मारू सोलंकी शैली, पंचायतन शैली – उदा. गुप्तकालीन मंदिर, कंदरिया महादेव मंदिर

② वेसर शैली – नागर व दक्षिण भारत में द्रविड़ शैली का मिश्रण, राष्ट्रकूटों ने मंदिर का निर्माण एरावतेश्वर मंदिर (कृष्ण I) उपशैली – कलिंग शैली (ओडिशा)

③ द्रविड़ शैली – दक्षिण भारत में पल्लव, चोल, चालुक्यों, विजयनगर साम्राज्य में निर्माण, आयताकार चबूतरा, विशाल प्रवेश द्वार गोपुरम, विमान पिरामिडनुमा, गर्भगृह, मंडप – कल्याण मंडप, अम्मान मंडप उदा. महाबलीपुरम का रथ मंदिर, मीनाक्षी मंदिर मदुरै आदि

इस प्रकार मंदिरों के निर्माण में विभिन्नताओं के आधार वर्गीकरण किया गया है।

Good

5

निरन्तरता बनाये रखें

बहुत ज्ञान

अच्छा लिखा गया है

लिखावट पर ध्यान दें

Good

(6)

Knowledge स्तर पर बहुत अच्छा लिखा, लेकिन प्रस्तुति पर प्रभावी रूप से कार्य किये जाने की आवश्यकता

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में महिलाओं ने भी सामाजिक बंधनों एवं विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राष्ट्रीय आन्दोलन में भाग लिया। प्रमुख महिलाएं

(1) एनीबेसेंट - विदेशी महिला, होमरूल आन्दोलन (1916) में भाग लिया, राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनी।

(2) भीकाजी कामा - जर्मनी स्टुटगार्ड अधिवेशन (समाजवादी) भारत का प्रतिनिधित्व किया।

(3) सुचेता कृपलानी - भारत छोड़ो आन्दोलन में भूमिका

(4) ऊषा मेहता - भारत छोड़ो मेहता आन्दोलन में गुप्त रेडियो का संचालन

(5) सरोजिनी नायडू - धरसाणा नामक सत्याग्रह में अग्रणी भूमिका

(6) सरला देवी चौधरानी - महिलाओं में जागरूकता में वृद्धि.

क्रांतिकारी महिलाएं

दुर्गा भाभी, कमला देवी, सुनीति चौधरी, बीना घोष, नलिनी गुप्ता, रानी गाइदिन्ल्यू, शांति घोष, किशोरी देवी, रमा देवी, सावित्री देवी जैसी अनेक महिलाओं ने स्वतंत्रता आन्दोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

औद्योगिक क्रान्ति का यूरोपीय समाज व समकालीन अर्थव्यवस्था पर प्रभावों की व्याख्या

औद्योगिक क्रांति मशीनीकरण तथा उत्पादन तकनीकी परिवर्तन व वृद्धि को, 18वीं सदी में भाप का इंजन, शक्ति, करघा जैसे अनेक नवीन आविष्कारों से संभव हुआ।

यूरोपीय समाज पर प्रभाव (1) उच्च वर्ग निम्न वर्ग, मध्यम वर्ग का उदय हुआ। (2) सामाजिक विषमता में कमी। (3) शोषण की प्रवृति बढ़ी मालिक मजदूर संघर्ष (4) नैतिकता का ह्रास (5) अपराधों में वृद्धि (6) आपसी सम्पर्क में वृद्धि, सामंजस्य बढ़ोतरी

अर्थव्यवस्था पर प्रभाव – **सकारात्मक प्रभाव** (1) मुक्त व्यापार नीति में वृद्धि (2) लाभ, निवेश, रोजगार, जीवन स्तर में सुधार (3) संसाधनों का दक्ष उपयोग

नकारात्मक प्रभाव (1) उपनिवेशवाद साम्राज्यवाद की प्रवृत्ति वृद्धि (2) विकसित व विकासशील देशों के मध्य अन्तर बढ़ता गया। इस प्रकार औद्योगिक क्रांति का समग्र नकारात्मक सकारात्मक प्रभावों से अनेक परिवर्तन संभव हुए।

Page No. [24]

(५)

फ्रांस की क्रांति का स्वरूप / प्रकृति के संबंध में अपने विविध विचार को व्यक्त कीजिए।

फ्रांस की क्रांति (1789) स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व का नारा देकर राजतंत्र की समाप्ति एवं लोकतंत्र की प्राप्ति हेतु अनेक उथल पुथल के दौर से होकर गुजरी।

स्वरूप – (1) स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व का नारा (2) कुलीनता का अन्त करना – कुलीनों के विशेषाधिकारों को खत्म करना।
(3) हिंसक क्रान्ति – राष्ट्रीय सभा ने टेनिस कोर्ट की शपथ के द्वारा राजतंत्र को समाप्त किया (4) अनिश्चितताओं का दौर (1815) तक राष्ट्रीय सभा, व्यवस्थापिका सभा, डायरेक्टरी शासन, नेपोलियन का उदय व अन्त तक अनिश्चितता बनी रही।
(5) धार्मिक तटस्थता धर्म को राजनीति से दूर किया, नेपोलियन ने चर्च के अधिकारों को कम किया. (6) सामान्य जनता में राष्ट्रीय चेतना का विस्तार
(7) लोकतांत्रिक प्रकृति (8) आधुनिक व फ्रांसीसी प्रबुद्धजनों के विचारों का प्रभाव वाल्तेयर, रूसो, दिदरो, देकार्त से प्रभावित थी।

(A) सचिव कार्मिक विभाग, राजस्थान
2. सरकार राजकीय कर्मचारियों के अवकाश के आवेदन ऑनलाइन पोर्टल पर करने हेतु अधिसूचना जारी कीजिए।

5½

राजस्थान सरकार
कार्मिक विभाग
शासन सचिवालय, जयपुर

प.क्र. एफ.बी./05/कार्मि/अधि/2023 जयपुर दिनांक 16/10/23

Good

अधिसूचना

पत्रावली संख्या- आज्ञ/कार्मि/256 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल महोदय की आज्ञा से यह आदेश जारी किया जाता है, कि समस्त कर्मचारियों के आवेदन ऑनलाइन पोर्टल पर स्वीकार किए जायेंगे। यह आदेश समस्त राजकीय उपक्रमों, मण्डलों, निगमों, स्वायत्त शासी संस्थाओं पर लागू होगा।

9

2.

यह आदेश 1 नवंबर 2023 से प्रभावी होगा।

राज्यपाल महोदय
की आज्ञा से
अ ब स
(अ ब स)
शासन सचिव
कार्मिक विभाग

प्र.क्र. एफ 4 वी/05/कावि/आधि/2023/601-712 दिनांक: 16/10/23

प्रतिलिपि :- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

(i) सचिव, राज्यपाल महो. राजस्थान, जयपुर।
(ii) निजी सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय, जयपुर।
(iii) निजी सचिव, कार्मिक विभाग मंत्री, जयपुर।
(iv) अधीक्षक, राजकीय मुद्रणालय को भेजकर लेख है कि अधिसूचना को असाधारण अंक में प्रकाशित कर 10 प्रतियाँ कार्यालय को अविलंब प्रेषित करें।
(v) समस्त विभागाध्यक्ष, राजस्थान

हस्ताक्षर
अ ब स
(अ ब स)
शासन सचिव

(B) विलोम शब्द

2.

1) संस्कृत — असंस्कृत
2) जंगम — स्थावर
3) आमिष — निरामिष
4) नैसर्गिक — कृत्रिम
5) अर्वाचीन — प्राचीन
6) मसृण — रूक्ष
7) इति — अथ
8) ग्राह्य — त्याज्य
9) नत — वक्र उन्नत
10) शाश्वत — अशाश्वत, क्षणिक

(C) पर्यायवाची — 2-2

1. भ्रमर — भौंरा, अलि
2. नदी — तरंगिणी, सरिता
3. पेड़ — पादप, विटप
4. घर — निकेतन, आलय
5. गंगा — देवनदी, सुरनदी
6. पर्वत — नग, गिरि
7. देवता — देव, अमर
8. लक्ष्मी — धनदा, पद्मा
9. वन — जंगल, वाटिका अरण्य
10. इन्द्र — महेश, सुरेश
पुरन्दर

2. Similar Meaning

(1) Proscribe
Banish / Permit — Banish ①

(2) Reverence
Vengeance / Veneration = Vengeance ✗

(3) Annihilate
Ruin / Inhale — Ruin ①

(4) Desolate
Deterioration / lonely — Deterioration ✗

(5) Yield
Surrender / Result — Result ✗

②

Opposite

(6) Urbane
Rural / uncultured — Rural ✗

(7) Miser
Spendthrift / weak — Spendthrift ①

(8) Nebulous
Distinct / Tiny — Distinct ①

(9) Affluence
Influence / poverty — poverty ①

(10) Cordial
Chaste / Frigid — Frigid ①

④

9

2.

(1) If we add low quality crop reduce to agriculture field. they create less particulate organic matter than mineral associated organic matter. (2)

(2) Boast – synonym increase (No)

(3) The central idea of the given Passage is to produce natural healthy soil by High mineral associated organic matter and particular organic matter. (2)

(4) The conclusion can be drawn from the given passage is to improving soil's health by different ways like carbon sequestration, high mineral associated organic matter and particular organic matter. (1½)

[T]

2.

"well if size has anything to do with the matter, the tiger would win" infer that the size of soil of is tiny but it has a drastic power to prevent our environment.